

## हमालयी राज्यों की वहन क्षमता

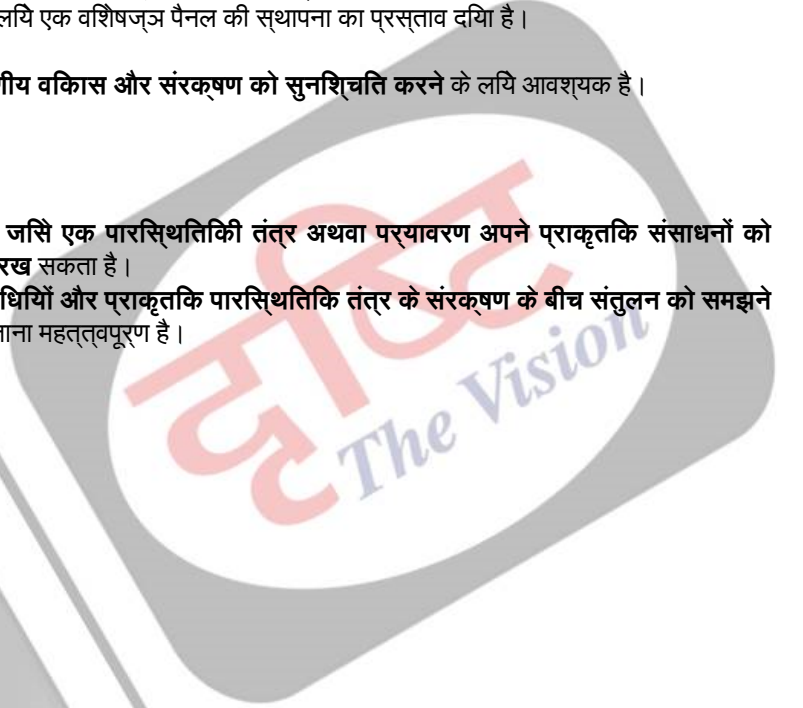
### बज़िनेस स्टैंडर्ड

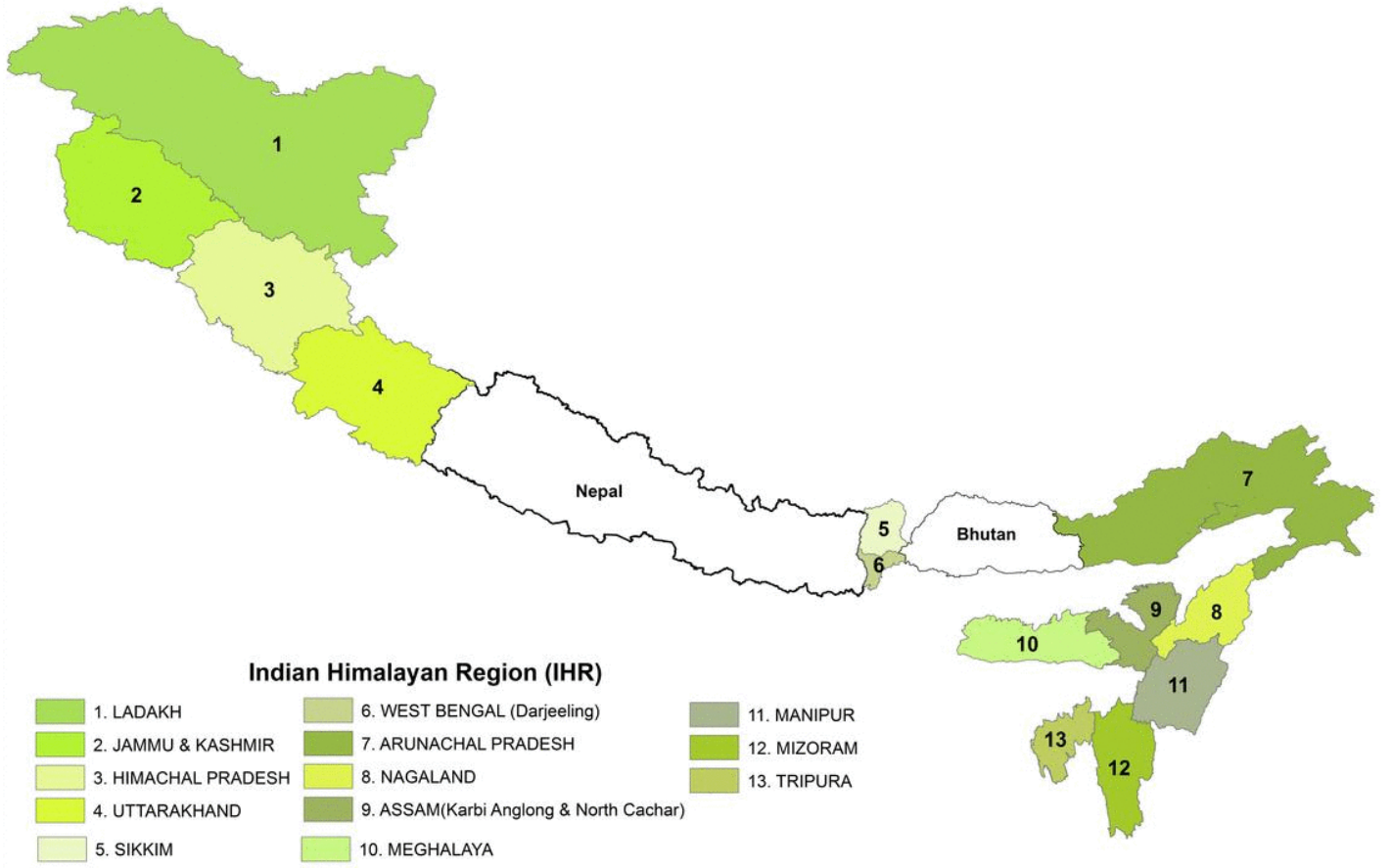
हाल ही में केंद्र ने सर्वोच्च न्यायालय से आग्रह किया है कि देश के 13 हमालयी राज्य अपनी 'वहन क्षमता' का आकलन करने का आदेश दें और साथ ही केंद्र ने उनके द्वारा प्रस्तुत कार्य योजनाओं का मूल्यांकन करने के लिये एक विशेषज्ञ पैनल की स्थापना का प्रस्ताव दिया है।

- यह पहल संवेदनशील हमालयी पारिस्थितिकी तंत्र के धारणीय विकास और संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिये आवश्यक है।

### वहन क्षमता:

- "वहन क्षमता" पद से आशय उस सबसे बड़ी आबादी से है जसि एक पारिस्थितिकी तंत्र अथवा पर्यावरण अपने प्राकृतिक संसाधनों को नुकसान पहुँचाए बिना एक निश्चित समय-सीमा तक बनाए रख सकता है।
- दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिये मानवीय गतिविधियों और प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के बीच संतुलन को समझने एवं प्रबंधित करने के लिये वहन क्षमता का आकलन किया जाना महत्त्वपूर्ण है।





//

## हमिलयी क्षेत्र के संरक्षण से संबंधित सरकारी पहलें:

- **हमिलयी पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने पर राष्ट्रीय मंशिन (2010):**
  - इसमें 11 राज्य (हमिचल प्रदेश, उत्तराखंड, सकिक्मि, सभी पूर्वोत्तर राज्य और पश्चिम बंगाल) तथा 2 केंद्रशासित प्रदेश (जम्मू-कश्मीर व लद्दाख) शामिल हैं।
  - यह **जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना** (National Action Plan on Climate Change- NAPCC) का हिस्सा है, जिसमें कुल आठ मंशिन शामिल हैं।
- **भारतीय हमिलयी जलवायु अनुकूलन कार्यक्रम (Indian Himalayas Climate Adaptation Programme- IHCAP):**
  - इसका उद्देश्य ग्लेशियोलॉजी और संबंधित क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने के साथ जलवायु विज्ञान में भारतीय संस्थानों की क्षमताओं को बढ़ाते हुए भारतीय हमिलयी समुदायों की सुभेद्यता को कम करना है।
- **SECURE हमिलय परियोजना:**
  - यह **ग्लोबल एनवायरनमेंट फसलिटी (GEF)** द्वारा वित्तपोषित तथा "धारणीय विकास के लिये वन्यजीव संरक्षण और अपराध रोकथाम पर वैश्विक भागीदारी" (वैश्विक वन्यजीव कार्यक्रम) का अभिन्न अंग है।
  - यह उच्च हमिलयी पारिस्थितिक तंत्र में अल्पाइन चरागाहों और वनों के स्थायी प्रबंधन को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।
- **मंशिरा समिति रिपोर्ट 1976:**
  - इसका नाम उत्तर प्रदेश के तत्कालीन गढ़वाल आयुक्त **एमसी मंशिरा** के नाम पर रखा गया। इस रिपोर्ट में जोशीमठ में भूमिधँसाव पर नषिकर्ष का वविरण था।
  - रिपोर्ट की सफारिशों के अंतर्गत क्षेत्र में भारी नरिमाण कार्य, वसिफोट, सडक मरम्मत और अन्य नरिमाण गतिविधियों के लिये **खुदाई एवं पेड़ों की कटाई पर प्रतबिंध** लगाना शामिल था।

**??????:**

प्रश्न. नमिनलखिति युगमों पर वचिार कीजयि: (2020)

शखिर	पर्वत
1. नामचा बरवा	गढ़वाल हमिलय
2. नंदा देवी	कुमाऊँ हमिलय
3. नोकरेक	सकिकमि हमिलय

उपर्युक्त युगमों में से कौन-सा/से सही सुमेलति है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1 और 3
- (d) केवल 3

उत्तर: (B)

प्रश्न. यदआप हमिलय से होकर यात्रा करेंगे तो आपको नमिनलखिति में से कौन सा पौधा वहाँ प्राकृतकि रूप से उगता हुआ देखने को मल्लिगा? (2014)

- 1. ओक
- 2. रोडोडेंड्रोन
- 3. चंदन

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: A

प्रश्न. जब आप हमिलय में यात्रा करेंगे, तो आपको नमिनलखिति दखिाई देगा: (2012)

- 1. गहरी घाटयिों
- 2. यू-टर्न नदी मार्ग
- 3. समानांतर पर्वत शृंखलाएँ
- 4. तीव्र ढाल, जो भूस्खलन का कारण बन रही हैं

उपर्युक्त में से कसिे हमिलय के युवा वलति पर्वत होने का प्रमाण कहा जा सकता है?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 1, 2 और 4
- (c) केवल 3 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: D

**??????:**

प्रश्न. हमिलय क्षेत्र और पश्चिमी घाट में भूस्खलन के कारणों के बीच अंतर बताइये। (2021)

प्रश्न. हमिलय के ग्लेशियरों के पघिलने से भारत के जल संसाधनों पर कौन से दूरगामी प्रभाव पड़ेंगे? (2020)

प्रश्न . "हमिलय में भूस्खलन की अत्यधिक संभावना है।" इसके कारणों पर चर्चा करते हुए इसके शमन हेतु उपयुक्त उपाय बताइये। (2016)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/carrying-capacity-of-himalayan-states>

